आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 174 | उज्जैन, शनिवार 17 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश हो रहा है तैयार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वर्ष-2028 के राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में आगे लाने के लिए सरकार कटिबद्ध होकर प्रयासरत है। खेल और खिलाड़ियों के विकास में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष जताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन कराने केंद्र सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ को प्रस्ताव भेजा गया है। वर्ष-2028 में जनवरी से मार्च के दौरान राष्ट्रीय खेलों का आयोजन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेल विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि

वे समय रहते राष्ट्रीय खेल आयोजन की सभी तैयारियों को अंजाम दें। राष्ट्रीय खेल का मध्यप्रदेश में आयोजन सरकार के लिए गौरव का विषय है। इसकी तैयारियों में कोई कमी न रहे। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल पर्यटन को प्रोत्साहन किया जा रहा है। भोपाल आने वाले लोगों को यहां के छोटे और बड़े तालाब में जल क्रीड़ाओं का प्राकृतिक एवं वास्तविक आनंद प्रदान करने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं और व्यवस्थाएं की जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आगामी 14 से 19 अक्टूबर 2025 के दौरान एशियन रोईंग चैम्पियनशिप का आयोजन होना है। यह आयोजन भोपाल के खानूगांव स्थित वॉटर स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में होगा। इसमें 22 से ज्यादा देशों के लगभग 450 खिलाड़ी, 100 टेक्निकल ऑफिशियल और 12 ज्यूरी मेम्बर्स सहित बड़ी संख्या में वॉटर स्पोर्टस में रूचि रखने वाले भोपाल आएंगे।

इराकी जहाज में आया पाकिस्तानी नागरिक, कर्नाटक के पोर्ट पर उतरने की नहीं मिली इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के भारत में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है और जितने भी पाकिस्तानी नागरिक भारत में मौजूद थे सभी के वीजा रद कर दिए गए थे और सभी को वापस पाकिस्तान भेज दिया गया था। लेकिन, पाकिस्तान फिर भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है।

जहाज में आया पाकिस्तानी नागरिक- पाकिस्तान की तरफ से आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश अभी भी जारी है। इसी कड़ी में भारतीय सेना ने बीते दिनों कई आतंकियों को ढेर भी किया है। इस बीच भारत ने एक इराकी जहाज से एक पाकिस्तानी नागरिक को अपने पोर्ट पर उतरने से रोक दिया। यह एक कार्गो जहाज था जो इराक से आया था और इसके स्टाफ में भारतीय और सीरिया के स्टाफ भी शामिल थे। दरअसल, कर्नाटक के कारवार पोर्ट पर एक इराकी जहाज पहुंचा। यह जहाज इराक के अल जुबैर से निकला था और इसमें दो सीरियाई और एक पाकिस्तानी स्टाफ भी था और 15 भारतीय स्टाफ थे।

सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए जहाज के स्टाफ को कारवार पोर्ट पर उतरने से मना कर दिया गया। जहाज से सामान उतार लिया गया लेकिन, सीरियाई और पाकिस्तानी स्टाफ को जहाज पर ही रोक कर रखा गया।

हर कोई चाहता है उसका नाम अखबारों में छपे, वक्फ कानून पर SC का कड़ा रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कुछ नई याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि हर कोई चाहता है कि उसका नाम अखबारों में छपे।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि वह 20 मई को आने वाले लंबित मामले पर फैसला करेगी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मामले में अंतरिम राहत के मुद्दे पर सुनवाई करेगा। दरअसल, शुक्रवार को एक और नई याचिका सुनवाई के लिए कोर्ट में आई, जिसके बाद केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं का अंतहीन दायर होना संभव नहीं है।

हालांकि, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्होंने 8 अप्रैल को याचिका दायर की थी और 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री द्वारा बताई गई खामियों को दूर कर दिया गया था, लेकिन उनकी याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया।

आतंकवाद पर फंड का इस्तेमाल करेगा पाकिस्तान, राजनाथ सिंह बोले; फिर से विचार करे IMF

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात के भुज एअरबेस पहुंचे। यहां पर उन्होंने जवानों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने राष्ट्र को भी संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के जवानों की सराहना की।

अपने संबोधन के दौरान रक्षा मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को दिए जाने वाले पैसे पर फिर से विचार करने की अपील की। उन्होंने इस दौरान कहा कि पाकिस्तान आईएमएफ से मिले पैसों को अपने देश में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर खर्च करेगा।

जानकारी दें कि हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का लोन मंजूर किया है। आज भुज एअरफोर्स स्टेशन पर जवानो को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि मेरा मानना है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से प्राप्त धन का बड़ा हिस्सा अपने देश में आतंकवादी ढांचे पर खर्च करेगा, भारत चाहता है कि आईएमएफ पाकिस्तान को दिए जाने वाले धन पर पुनर्विचार करे।

राजनाथ सिंह ने की जवानों की सराहना- जवानों की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आपने जो पराक्रम दिखाया, उसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। आज भारत को वैश्विक मंच पर, जो सम्मान मिल रहा है, उसकी बुनियाद में आपका यही पराक्रम है। यही कारण है कि भारत का बच्चा-बच्चा आपको, अपना मानता है।

आगे उन्होंने कहा कि आपने पूरे देश को यकीन दिलाया कि नया भारत अब सहन नहीं करता, बल्कि वह पलटकर जवाब देता है। मैं चाहे जितना कुछ भी बोलूं, लेकिन मेरे शब्द आपके कार्यों को मापने में असमर्थ होंगे।

तालिबान के साथ भारत का बड़ा कूटनीतिक दांव, जयशंकर ने अफगान विदेश मंत्री से पहली बार की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाक सीजफायर के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ बातचीत की। बातचीत में उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करने के लिए मुत्ताकी की सराहना की, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हो गई थी।

जयशंकर ने हाल ही में पाकिस्तान की तरफ से अफगान क्षेत्र पर मिसाइल हमले करने के आरोपों और भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने वाली खबरों पर भी बात की।

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

जयशंकर ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में बताया है कि अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मुत्तकी से आज काफी अच्छी बात हुई है।

जयशंकर ने आगे कहा, उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा की है जिसकी हम तारीफ करते हैं। हाल ही में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास फैलाने की पाकिस्तान की कोशिशों को जिस तरह से उन्होंने खारिज किया है, उसका भी स्वागत करते है।

अफगान के साथ दोस्ती पर चर्चा- जयशंकर ने आगे, अफगान के लोगों के साथ हमारी पारंपरिक दोस्ती और उनकी विकास संबंधी ज़रूरतों के लिए निरंतर समर्थन को रेखांकित किया। सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की।

एनएचआरसी ने मैला ढोने की प्रथा समाप्त करने के लिए राज्यों के लिखा पत्र, आठ हफ्ते में रिपोर्ट देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर उनसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2023 के फैसले में जारी निर्देशों का तत्काल पालन सुनिश्चित करने को कहा है। इन निर्देशों का उद्देश्य हाथ से मैला ढोने की प्रथा और खतरनाक सीवर सफाई को खत्म करना है।

मानवाधिकार आयोग ने गुरुवार को कहा कि उसने अधिकारियों को कई उपायों की सिफारिश की है, जिसमें निवारण सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निगरानी प्रणाली की स्थापना भी शामिल है।

सिंधु जल संधि कब तक रहेगा स्थगित? विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया सीधा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। इसके बाद भारत ने 7 मई की सुबह आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर सटीक हमले किए। इस हमले में पाकिस्तान और पीओजेके में आतंकियों के 9 ठिकाने पूरी तरीके से ध्वस्त हो गए।

इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध और व्यवहार पूरी तरह से द्विपक्षीय होंगे, जो कई वर्षों से राष्ट्रीय सहमति है और उस सहमति में ÷बिल्कुल कोई बदलाव नहीं है।

कब तक स्थगित रहेगी सिंधु जल संधि- दरअसल, एक कार्यक्रम के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद

को अपना समर्थन नहीं बंद कर देता। विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले के अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर बल दिया था और 7 मई की सुबह हमने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्हें जवाबदेह ठहराया।

उन्होंने कहा कि भारत ने 7 मई की सुबह आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर सटीक हमले किए, जिसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। पाकिस्तानी कार्रवाई का भारतीय पक्ष द्वारा कड़ा जवाब दिया गया। 10 मई को दोनों पक्षों के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के साथ ही शत्रुता समाप्त हो गई।

विदेश मंत्री ने कहा कि पानी के मुद्दे उठाए गए हैं। मैं फिर से जोर देता हूं कि सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सिंधु जल संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता। इसलिए, कभी-कभी, कश्मीर मुद्दे को उठाया जाता है। फिर से, कश्मीर पर चर्चा के लिए केवल एक ही बात बची है, वह है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना, हम पाकिस्तान के साथ इस पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान पर मेहरबान अमेरिका, ट्रंप और PAK सेना प्रमुख मुनीर की सीक्रेट डील! जांच के घेरे में आया यह सौदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आखिर अमेरिका आजकल पाकिस्तान पर इतना मेहरबान क्यों है? यह सवाल सभी के मन में है और यह सोचकर हर कोई हैरान भी है। इस बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसके बाद तस्वीर साफ होती दिख रही है।

पाकिस्तान पर अमेरिका की मेहरबानी के पीछे का कारण डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसीम मुनीर के बीच की सीक्रेट डील है। दरअसल, टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की एक निजी क्रिप्टोकरेंसी कंपनी और पाकिस्तान की सिर्फ एक महीने पुरानी गठित क्रिप्टो काउंसिल के बीच एक बड़ा सौदा हुआ है।

पाकिस्तान में हुआ यह सौदा ट्रंप के परिवार के लोग और आसीम मुनीर से जुड़ा है, जो अब जांच के घेरे में आ चुका है। इस सौदे में कई हाई प्रोफाइल लोग शामिल हैं। जिस कंपनी से सौदा हुआ है वह वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल है, जो ट्रंप के परिवार से जुड़ी हुई है।

कंपनी का ट्रंप कनेक्शन- यह एक फिनटेक कंपनी है जो क्रिप्टोकरेंसी और ब्लॉकचेन निवेश से संबंधित है। इस कंपनी में डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक और डोनाल्ड जूनियर व दामाद जैरेड कुशनर की सामूहिक रूप से 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अप्रैल में इस कंपनी ने पाकिस्तान क्रिप्टे काउंसिल के साथ एक लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किया था।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल ने गठन के कुछ ही दिनों के अंदर बिनांस के संस्थापक चांगपेंग झाओ को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया था, जिससे इस नए संगठन को विश्वसनीयता मिल सके।

आसीम मुनीर ने कराई थी डील- बताया जा रहा है कि इस अहम सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए अमेरिका से एक उच्च स्तरीय टीम पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंची थी, जिसका नेतृत्व कंपनी के संस्थापक जैकरी विटकॉफ ने किया।

फेक न्यूज फैला रहे पाक के विदेश मंत्री, भाजपा बोली– इतना झूठ कि पाकिस्तानी अखबार को ही करना पड़ा फैक्ट चेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। झूठ और फेक न्यूज के दावों पर फल-फूल रही पाकिस्तान सरकार का चेहरा एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपनी नेशनल असेंबली में दावा किया कि ब्रिटिश अखबार डेली टेलीग्राफ में पाकिस्तान एयरफोर्स को आसमान का बादशाह कहा गया है।

इशाक डार के इस दावे की उन्हीं के देश के अखबार डॉन ने हवा निकाल दी। डॉन ने इस दावे का फैक्ट चेक कर उसे फर्जी बताया। भारत सरकार की एजेंसी पीआईबी ने

भी फैक्ट चेक में इस दावे को फर्जी पाया। इसके बाद भाजपा ने पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा है।

अमित मालवीय ने कसा तंज- भाजपा नेता अमित मालवीय ने लिखा, पाकिस्तान का प्रोपेगेंडा बेनकाब हो रहा है। अपनी छवि बचाने के लिए पाकिस्तान के डिप्टी पीएम इशाक डार अपनी देश की सीनेट को फर्जी पोस्ट बताकर मिसलीड कर रहे हैं।

मालवीय ने लिखा कि इस दावे में इतना झूठ था कि खुद पाकिस्तान के अखबार डॉन को फैक्ट चेक के लिए मजबूर होना पड़ा। बता दें कि सोशल मीडिया पर डेली टेलीग्राफ की एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें पाकिस्तान एयरफोर्स को आकाश का राजा लिखा हुआ था।

पीआईबी ने इस तस्वीर को एआई जनरेटेड बताया और कहा कि ऐसी कोई खबर ब्रिटिश अखबार ने कभी प्रकाशित नहीं की। इसके बार भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए लिखा कि पाकिस्तानी सेना के अलावा केवल राहुल गांधी की कांग्रेस लोगों को बेवकूफ समझकर झूठ बोलती है।

पूर्व FBI डायरेक्टर ने ट्रंप को दी हत्या की धमकी? समुद्री सीपों पर लिखा था 86 47

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को क्या हत्या की धमकी मिली है? इस बारे में अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसिया जांच में जुट गई है और आरोप है कि फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के पूर्व डायरेक्टर जेम्स कॉमी ने कथित हत्या की धमकी दी है।

क्या है 86 47 का अर्थ- होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा कि कॉमी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की थी जिसे बाद में डिलीट कर दिया था, जिसमें समुद्री सीपों पर 86 47 लिखा हुआ था। उन्होंने बताया कि 86 का अर्थ हत्या होता है और ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं।

नोएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी ने अभी-अभी ट्रंप की हत्या की मांग की है। डीएचएस और सीक्रेट सर्विस इस धमकी की जांच कर रही है और उचित तरीके से जवाब देगी।

हालांकि, जेम्स कॉमी ने बाद में इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने आज समुद्र तट पर टहलते समय कुछ सीपों की तस्वीर देखी, जिसके बारे में मैंने सोचा कि यह कोई राजनीतिक संदेश है।

नफरती एजेंडा फैलाने में जुटा PAK, कर्नल सोफिया पर एमपी के मंत्री के विवादित बयान को बनाया हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादास्पद बयान दिया था, जिसे लेकर देश में लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने भी मामले का संज्ञान लिया और मंत्री से माफी मांगने को कहा है।

इस बीच पाकिस्तान ने मंत्री विजय शाह के बयान को एक टूल का तरह इस्तेमाल कर प्रोपेगैंडा चलाने का काम किया है। पाकिस्तान के सरकारी चैनल पीटीवी ने इस बयान को भारत में मुस्लिम के प्रति कथित नफरत के प्रमाण के तौर पर प्रस्तुत किया है।

पाकिस्तान के चैनल्स ने एक प्रोपेगैंडा के तहत विजय शाह के बयान को इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है और पीटीवी के अलावा जीओ न्यूज, द डैली जंग सहित कई पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट्स ने इस बयान पर खबरें प्रकाशित कर दुनिया में मुस्लिम समुदाय में भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश की है।

पीटीवी ने बुधवार देर रात प्रसारित अपने प्राइम टाइम कार्यक्रम में कहा है, भारत के हिन्दू बीजेपी के सीनियर नेता विजय शाह ने एक वफादार मुस्लिम महिला अफसर को दहशतगर्दों की कतार में खड़ा कर दिया है।

भारत के साथ बातचीत करनी होगी..., सीजफायर के बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री के बदले तेवर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच बीच सीजफायर लागू होने के बाद अब पाकिस्तान ने भारत के साथ बातचीत करने की इच्छा जताई है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने एक बार फिर भारत के साथ बातचीत का एलान किया है।

इशाक डार ने कहा, दोनों देशों के बीच समस्याओं को हल करने के लिए राजनीतिक वार्ता करनी होगी। इशाक डार ने आगे कहा- हमने दुनिया को बता दिया है कि हम बातचीत करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले पाकिस्तान की सीनेट में बोलते हुए, उन्होंने दावा किया कि युद्ध विराम 18 मई तक है। हालांकि भारतीय पक्ष ने अभी तक इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाक के इस दावे के बाद से दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष शुरू होने की आशंकाएं गहराने लगी हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर सहमति बनने के बाद से पाकिस्तान एक के बाद एक झूठे दावा कर रहा है। इससे पहले भारत के खिलाफ पाक सेना की तारीफों के पुल बांधने के लिए इशाक डार ने झूठी रिपोर्ट का सहारा लिया, जिसे उन्हीं की देश की मीडिया ने उजागर कर दिया।

पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान भारत को लेकर झूठे दावे कर चुका है। इन दावों के भारत ने रिपोर्ट्स के माध्यम से खारिज कर दिया है।

वहीं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन पाकिस्तान के साथ बातचीत को लेकर एक बयान दिया था। पीएम ने अपने संबोधन में कहा था, %मैं वैश्विक समुदाय को यह भी बताना चाहूंगा कि हमारी घोषित नीति रही है।

भारत ने AWACS विमान को भोलारी एअरबेस पर किया तबाह..., पाकिस्तान के पूर्व एअर मार्शल का बड़ा कबूलनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाक तनाव के बीच पाकिस्तान को फजीहत का सामना करना पड़ा रहा है। इस बीच पाकिस्तान के एक पूर्व वायुसेना प्रमुख ने बेशकीमती AWACS विमान को नष्ट किए जाने की बात स्वीकार कर ली है।

पाकिस्तान के रिटायर्ड एअर मार्शल मसूद अख्तर की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा- 9 और 10 मई की रात को भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एअरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम विमान नष्ट हो गए।

क्या बोले पूर्व वायुसेना प्रमुख- अख्तर ने एक पाकिस्तानी मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि लंबी दूरी का रेडार निगरानी और नियंत्रण केंद्र है, जो पाकिस्तान के वायु रक्षा नेटवर्क में अहम रोल प्ले करता है। यह एरीए रेडार सिस्टम से लैस है, जो आसमान में उड़ते हुए हवा और जमीन दोनों पर नजर रख सकता है।

एअर मार्शल मसूद अख्तर ने आगे कहा-उन्होंने (भारतीय सेना ने) लगातार चार ब्रह्मोस मिसाइल दागी। उन्होंने आगे कहा, भारत ने जिस मिसाइल से हमला किया वह सतह से सतह में मार करने वाली थी या हवा से सतह में मार करने वाली थी। मैं इस बात को लेकर पक्का नहीं हूं।

भोलारी एअरबेस से टकरा गई मिसाइल और फिर- एअर मार्शल ने आगे कहा, पाकिस्तानी पायलट अपने विमान को सुरक्षित करने के लिए दौड़े, लेकिन मिसाइलें आती रहीं और दुर्भाग्य से, चौथी मिसाइल भोलारी एअरबेस से टकरा गई, जहां हमारा एक AWACS खड़ा था। यह पूरी तरह ध्वस्त हो गया।

कोरोना की नई लहर! हांगकांग से लेकर सिंगापुर तक फिर बढ़े कोविड 19 के मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरी दुनिया में कोरोना से हाहाकार मचने के बाद अब कोरोना ने एक बार एंट्री ले ली है। एशिया के हांगकांग और सिंगापुर में कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। घनी आबादी वाले हांगकांग और सिंगापुर में स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि एशिया में कोविड-19 की लहर के फिर से फैलने के कारण कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

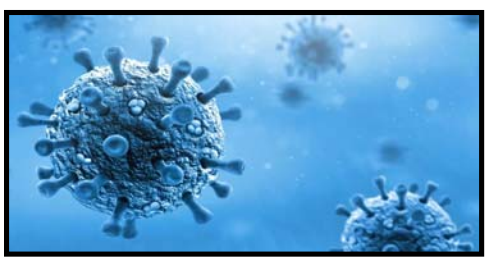

हांगकांग में तेजी से फैल रहा वायरस- हांगकांग में वायरस का प्रकोप काफी ज्यादा है, शहर के स्वास्थ्य सुरक्षा केंद्र की संचारी रोग शाखा के प्रमुख अल्बर्ट औ ने इस हफ्ते स्थानीय मीडिया को ये बात बताई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के लिए पॉजिटिव मामलों का प्रतिशत एक साल में उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

केंद्र के आंकड़ों से पता चलता है कि 3 मई तक के सप्ताह में 31 गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले एक साल में सबसे ज्यादा हैं।

31 नए मामले आए सामने- आंकड़ों से पता चलता है कि मौतों सहित गंभीर मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है, जो लगभग एक साल में अपने पीक प्वाइंट पर पहुंच गई है। 3 मई को खत्म हुए सप्ताह में 31 नए मामले सामने आए।

अस्पताल में भर्ती हुए लोग- हालांकि संक्रमण का यह आंकड़ा पिछले दो साल में देखे गए संक्रमण के शिखर से मेल नहीं खाता है। बताया जा रहा है अस्पताल में 7 मिलियन से ज्यादा लोग इस वायरस संबंधी बीमारी के कारण भर्ती हुए हैं।

क्या राष्ट्रपति या राज्यपाल के लिए सुप्रीम कोर्ट कोई समय-सीमा तय कर सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा से पारित विधेयकों को लेकर राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर केंद्र सरकार के बाद अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी सवाल किए हैं। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को 14 सवाल भेजकर राय मांगी है। हालांकि, राष्ट्रपति ने जिन सवालों पर राय मांगी है, उनमें सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र नहीं किया है, लेकिन सभी सवाल फैसले के इर्द गिर्द ही हैं।

दरअसल, यह पूरा मामला तमिलनाडु से जुड़ा हुआ है। वहां के राज्यपाल आर एन कवि के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करके हस्तक्षेप की मांग की थी। याचिका में राज्य सरकार ने राज्यपाल पर जरूरी विधेयकों को लटकाने का आरोप लगाया था।

मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस जेबी पार्दीवाला और आर महादेवन की पीठ ने राज्यपाल द्वारा विधेयकों को लंबे समय तक रोके जाने के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुना दिया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा राज्य के विधेयकों पर मंजूरी देने/अस्वीकृति करने/पुनर्विचार के लिए भेजने की समय सीमा भी तय कर दी।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर जल्दी ही बहस छिड़ गई। कानूनी के जानकारों ने कहा कि जब संविधान में राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय नहीं है तो क्या सुप्रीम कोर्ट न्यायिक आदेश के जरिये समय सीमा तय कैसे कर सकता है। अब इसी पर राष्ट्रपति ने सवाल भेजकर राय मांगी है।

आइए आपको बताते हैं कि आखिर यह पूरा मामला क्या है, सुप्रीम कोर्ट का वो कौन-सा फैसला है, जिस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सुप्रीम कोर्ट 14 सवाल क्यों पूछे हैं, कौन-से 14 सवाल पूछे हैं और क्या राष्ट्रपति की ओर से सवालों पर मांगी गई राय देने के लिए सुप्रीम कोर्ट बाध्य है।

माउंट एवरेस्ट पर भारतीय पर्वतारोही की मौत, चोटी से नीचे उतरते समय हिलेरी स्टेप में गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर भारतीय पर्वतारोही समेत 2 लोगों की मौत हो गई है। 45 साल के भारतीय पर्वतारोही सुब्रत घोष माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराकर नीचे उतर रहे थे। इसी दौरान उनकी जान चली गई।

द हिमालयन टाइम्स के अनुसार, सुब्रत घोष पश्चिम बंगाल से ताल्लुक रखते हैं। इस सीजन में माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई शुरू होने के बाद यह मौत की दूसरी खबर है।

हिलेरी स्टेप में हुई मौत- नेपाल की स्नोई होराइजन ट्रेक्स एंड एक्सपीडिशन के मैनेजिंग डायरेक्टर बोधराज भंडारी ने बताया कि सुब्रत सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट की 8,848 मीटर ऊंची चोटी पर पहुंच गए थे। चोटी से नीचे उतरते समय सुब्रत अचानक हिलेरी स्टेप में गिर गए, जहां उनकी मृत्यु हो गई।

हिलेरी स्टेप को कहते हैं डेथ जोन- बता दें कि हिलेरी स्टेप माउंट एवरेस्ट की चोटी के बेहद नजदीक है, जिसे डेथ जोन भी कहा जाता है। जानकारी के अनुसार, रात को लगभग 2 बजे सब्रत अपने गाइड के साथ माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचे थे। हालांकि ऊंचाई पर पहुंचने के बाद वो अचानक असहज महसूस करने लगे।

पाकिस्तान पर एक्शन है बाकी! कई देशों के दौरे पर जाएंगे भारतीय प्रतिनिधमंडल; कांग्रेस ने की यह मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार आने वाले दिनों में पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत का रुख समझाने के लिए कई देशों में बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रही है। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह निश्चित रूप से इसका हिस्सा होगी।

हालांकि, अभी तक सरकार की ओर से प्रतिनिधिमंडलों के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष से बात की है।

कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री संसद का विशेष सत्र बुलाने पर सहमत नहीं हुए हैं, जिसकी मांग भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सामूहिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित करने और 22 फरवरी, 1994 को संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव को दोहराने के लिए कर रही है।

प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होगी कांग्रेस- रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी कांग्रेस को लगातार बदनाम कर रही है, जबकि कांग्रेस एकता और एकजुटता का आह्वान कर रही है।

उन्होंने कहा, अब अचानक प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने का फैसला किया है।

जस्टिस बेला त्रिवेदी को फेयरवेल न देने पर CJI बीआर गवई ने जताई नाराजगी, कहा- यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की रिटायरमेंट पर उन्हें फेयरवेल पार्टी नहीं दी गई। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इस पर आपत्ति जताई की है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के बार एसोसिएशन से नाराजगी जाहिर की है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सेरेमोनियल बेंच की बैठक के दौरान कहा कि मैं सबसे सामने आपत्ति जता रहा हूं क्योंकि मैं सीधे बात करने में विश्वास रखता हूं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन की ओर से जजों की रिटायरमेंट पर फेयरवेल आयोजित किए जाते हैं। हालांकि जस्टिस बेला त्रिवेदी की रिटायरमेंट पर कोई भी औपचारिक फेयरवेल नहीं रखा गया। जस्टिस गवई का कहना है कि ऐसा कोई आयोजन न करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल हैं और रचना श्रीवास्तव उपाध्यक्ष हैं। जस्टिस गवई ने दोनों की तारीफ करते हुए कहा, मैं कपिल सिब्बल और रचना श्रीवास्तव की सराहना करता हूं, लेकिन सेक्रेटरी ने जो स्टैंड लिया है वो सही नहीं है। मैं खुलकर बात रखने वाला व्यक्ति हूं, इसलिए कह रहा हूं कि यह गलत है।

जस्टिस गवई ने कहा- जस्टिस कई तरह के होते हैं, लेकिन जस्टिस बेला त्रिवेदी ने अपने पूरे करियर में स्पष्टता के साथ बात रखी है। वो काफी मेहनती थीं और बिना किसी डर के फैसला सुनाती थीं।

जस्टिस मसीह ने भी CJI का किया समर्थन- सीजेआई गवई के अलावा जस्टिस मसीह ने भी अपने भाषण में कहा, जस्टिस त्रिवेदी को बार एसोसिएशन की तरफ से विदाई देनी चाहिए थी।

दुनियाभर में पाकिस्तान की पोल खोलेंगे थरूर, ओवैसी समेत 30 सांसद; मोदी सरकार ने दिया ये काम

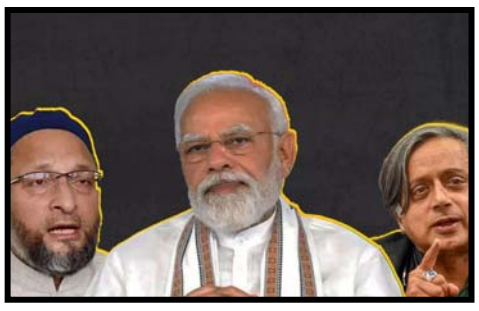

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच केंद्र सरकार ने तय किया है कि वह कई देशों में ऑल पार्टी डेलिगेशन भेजेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस बड़े कूटनीतिक अभियान के तहत सरकार वैश्विक मंच पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए अगले सप्ताह से भारतीय नेताओं को अलग-अलग देशों में भेजेगी।

केंद्र सरकार ने विपक्ष सहित कई राजनीतिक दलों के सांसदों से इस बारे में बात की है। वहीं कुछ पार्टी ने भी इस कूटनीतिक अभ्यास के लिए अपने सदस्यों की उपस्थिति को मंजूरी दे दी है।

कितने नेता इस कूटनीतिक अभ्यास में लेंगे भाग- भारत सरकार की इस मुहिम का हिस्सा बनने वाले प्रतिनिधिमंडल या उनके सदस्यों की सही संख्या के बारे में कोई साफ जानकारी नहीं है। हालांकि कुछ नेताओं की ओर से कहा गया हैकि 30 से ज्यादा सांसद इस मुहिम का हिस्सा हो सकते हैं।

नेताओं का डेलिगेशन 10 दिनों तक अलग-अलग देशों का दौरा करेंगे। सांसद सरकार की ओर से निर्धारित देशों के अलग-अलग हिस्सों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय सांसदों को उनके राजनयिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले जानकारी देगा।

सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में जिन पार्टियों के सांसद शामिल होंगे, उनमें भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, एनसीपी (एसपी), जेडीयू, बीजेडी, सीपीआई (एम) और कुछ अन्य शामिल हैं। इस डेलिगेशन के एक संभावित सदस्य ने कहा है कि उन्हें 22-23 मई तक 10 दिनों के लिए रवाना होने के लिए मुस्तैद रहने को कहा गया है। इसके अलावा कहा गया है कि विदेश मंत्रालय बाकी की जानकारी और ब्यौरे के साथ उन्हें बाद में संपर्क करेगा।

सूत्रों ने कहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, ओडिशा की बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी सत्ता पक्ष से इस डेलिगेशन का हिस्सा हो सकती हैं।

हरे कृष्ण मंदिर पर बेंगलुरु की इस्कॉन सोसाइटी को मिला अधिकार, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने स्वामी प्रभुपाद जी की संस्था इस्कॉन के आपसी संपत्ति विवाद का पटाक्षेप करते हुए यह स्पष्ट किया कि बेंगलुरु का इस्कॉन मंदिर असल में इस्कॉन सोसाइटी मुंबई का नहीं है, बल्कि यह इस्कॉन सोसाइटी बेंगलुरु का है, जो कर्नाटक समाज अधिनियम के तहत पंजीकृत है।

जस्टिस अभय एस. ओका और ए.जी. मसीह की खंडपीठ ने शुक्रवार को कर्नाटक हाई कोर्ट के पहले के निर्णय को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि बेंगलुरु का इस्कॉन मंदिर, असल में इस्कान सोसाइटी मुंबई नामक संस्था का है।

शीर्ष अदालत में लगाई थी याचिका- इस्कॉन, बेंगलुरु ने 2 जून, 2011 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें हाई कोर्ट के 23 मई, 2011 के निर्णय को चुनौती दी गई थी। याचिका में इस्कॉन, बेंगलुरु के पदाधिकारी कोडंडरामा दास ने हाई कोर्ट के उस निर्णय का विरोध किया, जिसने बेंगलुरु की एक स्थानीय अदालत के 2009 के आदेश को पलट दिया था।

स्थानीय अदालत ने पहले इस्कॉन, बेंगलुरु के पक्ष में निर्णय दिया था। इसमें इसके कानूनी अधिकार को मान्यता दी गई थी और इस्कॉन, मुंबई के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा जारी की गई थी।

स्थानीय अदालत ने सुनाया था फैसला- स्थानीय अदालत ने यह घोषित किया था कि इस्कॉन सोसाइटी बेंगलुरु, जो जुलाई 1978 में कर्नाटक समाज पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत है, हरे कृष्ण हिल्स स्थित मंदिर संपत्ति का पूर्ण मालिक है और इस्कॉन सोसाइटी मुंबई को इसके मामलों में हस्तक्षेप करने से रोका गया था।

इस्कॉन सोसाइटी बेंगलुरु ने यह घोषणा करने की मांग की थी कि इस्कॉन सोसाइटी मुंबई के पास उसके पदाधिकारियों को हटाने या उसकी संपत्तियों या प्रशासन पर नियंत्रण करने का कोई अधिकार नहीं है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण पंचमी

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर अनेक ऐसी बुराइयों या बुरी आदतें शौक या कार्यकलाप हैं....

वैश्विक स्तरपर अनेक ऐसी बुराइयों या बुरी आदतें शौक या कार्यकलाप हैं,जिन्हें रोकने के लिए 195 से अधिक देशों की सदस्यता से बना संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस आदत,वस्तु को रोकने अनेक कार्यक्रम व जन जागरण दिवस मनाया जाता हैं।परंतु मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनियां के हर देश व हर राज्य द्वारा इससे संबंधित कानूनो में अब संशोधन करने का समय आ गया है।अब तंबाकू और उससे बनी वस्तुओं पर पूरी तरह से बैन औरउल्लंघन करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाए। हालांकि भारत के अनेक राज्यों में तंबाकू व उससे बने पदार्थों पर बैन लगा हुआ है, परंतु उस पर सखूती की अत्यंत भारी कमी देखने को मिल रही है।इस संबंध में इस आर्टिकल को लिखने के पीछे मैं खुद एक हफ्ते से रिसर्च व ग्राउंड रिपोर्टिंग कर रहा थाजिसकी चर्चा हम नीचे के पैराग्राफ में करेंगे, तो मैंने पाया कि तंबाकू विक्रेताओं पर अति सुस्ती से कार्रवाई होती है, मार्केट में खुले आम तंबाकू बिकते दिखा अनेक गोदाम पैक रखे हुए, विक्रेता मलाई से लबालब शालीनता वाली जिंदगी मे मस्त दिखे। दूसरी और अभी कुछ दिन पहले हमारी राइस सिटी गोंदिया में संबंधित विभाग द्वारा स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू और उससे संबंधित पदार्थ बेचने पर अनेक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई।मेरा मानना है कि इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए यह कार्रवाई लगातार सप्ताह में दो बार शुरू रहनी चाहिए तो इस समस्या का जड़ से निदान हो सकता है।असल में होता यह है कि हफ्ताखोरी के कारण जो रेड होता है,उसकी जानकारीसंबंधित ऑनर को उस डिपार्टमेंट के भेदियों से मिल जाती है और माल ठिकाने लग जाता है या सेटिंग से कम जप्ती दिखायी जाती है,केस ढीला कर दिया जाता है,आरोपी को शीघ्र जमानत मिल जाती है, फिर कारोबार का चक्र उसी तरह चलते रहता है, रिकॉर्ड में रेड दिखाई जाती है पर होता जाता कुछ नहीं, यह कहानी मेरा मानना है कि शायद हर जिला प्रशासन में हो सकती है। इस प्रकार के मदिरा व्यापार में मैंनें अभी तक कोर्ट से सजा नहीं देखी या सुनी है।आरोपी छूट जाता है मामला रफादफा हो जाता है और हम केवल और केवल जागरूकता दिवस, निषेध दिवस मनाते रह जाते हैं,जिसपर शायद शासन प्रशासन को गंभीरता से विचार करना जरूरी है। अभी समय आ गया है कि शासन प्रशासन को अति कानूनी सखूती भी अत्यंत तात्कालिक जरूरी है, इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक तंबाकू निषेध कानून का सख्त क्रियान्वयन समय की मांग तंबाकू या धूम्रपान से दूरी हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में मददगार साबित हो सकती है। साथियों बात अगर मेरे द्वारा दिनांक 07 से 13 मई 2025 तक तंबाकू सेवनकर्ताओं से ग्राउंड रिपोर्टिंग बातचीत की करें तो,मैं सब्जी मंडी,मॉल सिनेमाघर पेट्रोल पंप किराना बाजार सहित अन्य कई स्थानों पर दैनिकरूटिंन में जाकर देखा तो अनेकों के हाथ में झिल्ली में लपेटा हुआ या पाउच में डाला हुआ गुटका तंबाकू दिखा।

मैंनें जब उनसे बात की तो उन्होंने कहा हमें मालूम है कि पाउच के ऊपर लिखा रहता है तंबाकू सेवन से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है,परंतु फिर भी हम खा रहे हैं। हालांकि तंबाकू पर यहां बैन लगा हुआ है फिर भी खुले आम विक्रेताओं बीचसेवनकर्ता सेवन कर रहे हैं। जब मैं उनके दांतों के सड़न के बारे में बात की तो उन्होंने कहा तंबाकू से ही सब गए हैं।

विश्व दूरसंचार दिवस

विश्व दूरसंचार दिवस प्रत्येक वर्ष 17 मई को मनाया जाता है। आधुनिक युग में फोन, मोबाइल और इंटरनेट लोगों की प्रथम आवश्यकता बन गये हैं। इसके बिना जीवन की कल्पना करना बहुत ही मुश्किल हो चुका है। आज यह इंसान के व्यक्तिगत जीवन से लेकर व्यावसायिक जीवन में पूरी तक प्रवेश कर चुका है। पहले जहाँ किसी से संपर्क साधने के लिए लोगों को काफ़ी मशक्कत करनी पड़ती थी, वहीं आज मोबाइल और इंटरनेट ने इसे बहुत ही आसान बना दिया है। व्यक्ति कुछ ही सेकेंड में बेहद असानी से दोस्तों, परिवार और सगे संबधियों से संपर्क साध सकता है। यह दूरसंचार की क्रांति है, जिसकी बदौलत भारत जैसे कुछ विकासशील देशों की गिनती भी विश्व के कुछ ऐसे देशों में होती है, जिनकी अर्थव्यवस्था तेज़ी से रफ्तार पकड़ रही है।

इतिहास

विश्व दूरसंचार दिवस मनाने की परंपरा 17 मई, 1865 में शुरू हुई थी, लेकिन आधुनिक समय में इसकी शुरुआत 1969 में हुई। तभी से पूरे विश्व में इसे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसके साथ नवम्बर, 2006 में टर्की में आयोजित पूर्णाधिकारी कांफ्रेंस में यह भी निर्णय लिया गया था कि विश्व दूरसंचार एवं सूचना एवं सोसाइटी दिवस, तीनों को एक साथ मनाया जाए।

इंटरनेट की महत्ता

वर्तमान समय में दूरसंचार का एक बहुत बड़ा हिस्सा इंटरनेट है। इसमें कोई शक नहीं है कि जिन लोगों की पहुंच इंटरनेट तक है, उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इंटरनेट ने उनके जीवन को काफ़ी सरल बना दिया है। इसके जरिए हम असंख्य सूचनाओं को पलक झपकते ही मात्र कुछ चंद सेकेंड में प्राप्त कर लेते हैं। इंटरनेट सिर्फ सूचनाओं के लिहाज से ही नहीं, बल्कि सोशल नेटवर्किंग से लेकर स्टॉक एक्सचेंज, बैंकिंग, ई-शॉपिंग आदि के लिए अब अहम बन चुका है। इसके लिए यदि किसी को सबसे अधिक श्रेय देना चाहेंगे तो गूगल जैसे सर्च इंजन इसके हकदार हैं। गूगल के ई-मेल, चैटिंग, वीडियो और वॉयस चैटिंग आदि से हजारों किलोमीटर की दूरियां सिमट कर अब चंद सेकेंड के फासले में बदल गयी हैं।

दूरसंचार क्रांति

दूरसंचार क्रांति ग़रीब देश में हुई एक ऐसी क्रांति है, जिसने न केवल देश की छवि बदली बल्कि देश के विकास से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था को यह प्रत्यक्षदर्शी रही। आज जिस आसानी से हम अपने मोबाइल फोन के माध्यम से कई ऐसे कार्य कर लेते हैं, जिसके लिए कुछ साल पहले काफ़ी मशक्कत करना पड़ती थी। दूरसंचार क्रांति की बदौलत ही भारत की गिनती आज विश्व के कुछ ऐसे देशों में होती है, जहाँ आर्थिक समृद्धि में इस क्रांति का बड़ा योगदान रहा है। आज हम दूरसंचार के मामले में काफ़ी आगे निकल चुके हैं। थ्री-जी और फोर-जी टेक्नोलॉजी पर सवार भारत तेज गति से आगे बढ़ता जा रहा है। इस क्रांति के कारण न केवल अन्य क्षेत्रों में फर्क पड़ रहा है, बल्कि ग्रामीण भारत भी टेक्नोलॉजी से लबरेज होता जा रहा है। आज भारत के कई किसान हाईटेक हो रहे हैं। फसलों के बारे में वे इंटरनेट से जानकारी ले रहे हैं। एसएमएस से रेलवे रिजर्वेशन की जानकारी मिल रही है। भारत इस क्रांति को अगले चरण पर ले जाने की तैयारी कर रहा है।

भारत में

टेलीफोन की शुरुआत

1880 में दो टेलीफोन कंपनियों द ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी लिमिटेड और एंग्लो इंडियन टेलीफोन कंपनी लिमिटेड ने भारत में टेलीफोन एक्सचेंज की स्थापना करने के लिए भारत सरकार से संपर्क किया। इस अनुमति को इस आधार पर अस्वीकृत कर दिया गया कि टेलीफोन की स्थापना करना सरकार का एकाधिकार था और सरकार खुद यह काम शुरू करेगी। 1881 में सरकार ने अपने पहले के फैसले के ख़िलाफ़ जाकर इंग्लैंड की ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी लिमिटेड को कोलकाता, मुंबई, मद्रास (चेन्नई) और अहमदाबाद में टेलीफोन एक्सचेंज खोलने के लिए लाइसेंस दिया। इससे 1881 में देश में पहली औपचारिक टेलीफोन सेवा की स्थापना हुई।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड: सेफ्टी नेट के साथ निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के बाजार में, जहां अनिश्चितता ही एकमात्र स्थिरता है, इस सोच ने नए सिरे से इन्वेस्टिंग के तरीकों को बदला है। क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन्होंने बाजार में अपनी जगह बनाई है। ये वित्तीय रूप से मजबूत होते हैं, लगातार मुनाफा देते हैं, साफ-सुथरा इनका कॉर्पोरेट गवर्नेंस होता है, साथ ही अनुभवी नेतृत्व होता है।

क्वालिटी इन्वेस्टिंग में निरंतरता का मतलब ग्रोथ का त्याग नहीं है। इसके विपरीत, क्वालिटी कंपनियां आम तौर पर सस्टेनेबल अर्निंग देती हैं और कैपिटल को बेहतर तरीके से इन्वेस्ट करती हैं। हालांकि, ये रातोंरात लाभ नहीं दे सकती हैं, लेकिन ये समय के साथ वैल्यू को लगातार बढ़ाती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्वालिटी इन्वेस्टिंग लॉन्ग-टर्म रिटर्न को बनाए रखने के लिए उचित कीमत पर खरीदारी पर भी जोर देती है।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड की एक प्रमुख ताकत फ्लेक्सिबिलिटी है। फंड मैनेजर किसी एक सेक्टर या कंपनी के साइज तक सीमित नहीं होते। वे लार्ज-कैप, मिड-कैप और चुनिंदा स्मॉल-कैप स्टॉक्स में जाते हैं, जो इस बात पर आधारित होते हैं कि असली क्वालिटी कहां है। इसका मतलब है कि निवेशक कोर थीम पर से ध्यान हटाए बिना डायवर्सिफिकेशन से लाभ उठाते हैं।

इसके अलावा, ऐसे फंडों पर काफी रिसर्च किया जाता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक चयन सॉलिड मैट्रिक्स पर आधारित है - रिटर्न ऑन इक्विटी, रिटर्न ऑन इन्वेस्टेड कैपिटल, फ्री कैश फ्लो और पूरे बिजनेस का हेल्थ। अभी, कई क्वालिटी वाले स्टॉक अन्य निवेश शैलियों की तुलना में हाल ही में अंडरपरफॉर्मेंस के कारण उचित वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। यह निवेशकों के लिए आकर्षक कीमतों पर हाई-क्वालिटी वाले बिजनेस में प्रवेश करने का एक अनूठा अवसर देता है।

नीतिगत बदलावों से लेकर जियोपॉलिटिकल टेंशन तक वैश्विक चुनौतियों के जल्द ही खत्म होने की संभावना नहीं है। ऐसे में क्वालिटी-फोकस पोर्टफोलियो एक संतुलित वाहन की तरह काम करता है।

दो महीने में दोगुना हो गया यह डिफेंस शेयर, कंपनी 2 टुकड़ों में बांट रही है शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। डिफेंस कंपनी के शेयर शुक्रवार को 20 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 1816.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। पारस डिफेंस के शेयरों में दो महीने में 100 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी अपने शेयरों का भी बंटवारा कर रही है। पारस डिफेंस के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 715.25 रुपये है।

दो महीने में ही दोगुना हुआ कंपनी का शेयर

डिफेंस सेक्टर की कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयर दो महीने में ही दोगुना से ज्यादा बढ़ गए हैं। पारस डिफेंस के शेयर 17 मई 2025 को 883.60 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 16 मई 2025 को 1816.80 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, एक महीने में पारस डिफेंस के शेयरों में 74 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 16 अप्रैल 2025 को 1043.55 रुपये पर थे। पारस डिफेंस के शेयर 16 मई 2025 को 1800 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयरों में करीब 28 पर्सेंट की तेजी आई है।

पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज अपने शेयरों का बंटवारा कर रही है।

रेलवे स्टॉक में जबरदस्त तेजी, 6% से ज्यादा आया उछाल, क्या है कारण?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन के शेयर में आज अच्छी खासी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दोपहर लगभग 2 बजे इसके शेयर्स में 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अभी खबर लिखते समय में इसके शेयर में 5.91 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है। अभी क्या है IRFC शेयर का भाव?

बीएसई पर दोपहर 2.44 बजे IRFC के शेयर की कीमत 6 फीसदी से ज्यादा उछली है। अभी इसके एक शेयर का दाम 138.15 रुपये चल रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में भी इसके शेयर में 6.17 फीसदी की बढ़त देखी गई है।

दोपहर 2 बजे करीब IRFC का शेयर 8 फीसदी से भी ज्यादा उछला है। एनएसई में इसके एक शेयर का दाम 138.27 रुपये चल रहा है।

क्यों आई IRFC शेयर में बढ़ोतरी - IRFC के चौथी तिमाही के रिजल्ट में पिछली तिमाही की तुलना में बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1666.99 करोड़ रुपये रहा है। जो इससे पहले वाली तिमाही यानी तीसरी तिमाही में 1627.62 करोड़ रुपये था।

हालांकि अगर इसकी वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही से तुलना की जाए, तो इसमें कमी आई है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1729.08 करोड़ रुपये था।

अगर रेवेन्यू की बात करें तो वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में यह 6,722 करोड़ रुपये रहा। ये तीसरी तिमाही के 6763 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 6474 करोड़ रुपये से कम है।

बड़ी खबर: वोडाफोन आइडिया 10 महीने में हो सकती है बंद, क्या है वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने सरकारी बकाए पर छूट के लिए सुप्रीम कोर्ट के सामने फिर से याचिका दायर की है। कंपनी ने इसी सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा कि बैंक फंडिंग के बिना कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 से आगे काम नहीं कर पाएगी, क्योंकि उसके पास मार्च 2026 में देय दूरसंचार विभाग को 18,000 करोड़ रुपये की एजीआर किस्त का भुगतान करने की क्षमता नहीं है।

वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट से 83,400 करोड़ रुपये के लंबित एजीआर बकाये पर ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज से छूट मांगी है, जो कुल मिलाकर 45,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इन भुगतानों पर सरकार ने कंपनी को चार साल का मोरटोरियम दिया था, जो आगामी सितंबर में समाप्त हो रहा है।

कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा कि बीते दिनों केंद्र सरकार द्वारा स्पेक्ट्रम बकाया को इक्विटी में बदलने के बाद कंपनी ने फिर से लोन के लिए बैंकों से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने एजीआर की किस्तों का समाधान होने तक नया लोन देने में असमर्थता जताई है।

बता दें, देश की तीसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया रिलायंस जियो के आगमन के बाद से परेशानी से जूझ रही है।

क्वालिटी इन्वेस्टिंग - लॉन्ग-टर्म वेल्थ बनाने का एक स्मार्ट मार्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेली लाइफ में जब हम किसी चीज का चुनाव करते हैं, बात चाहे खाद्य पदार्थ की हो, कपड़े की हो या फिर एयरलाइन्स की तो हम स्वाभाविक रूप से उस चीज की ओर जाते हैं , जिस पर हमें हाई क्वालिटी का भरोसा होता है। हालांकि, इस प्रवृत्ति को अक्सर निवेश में अनदेखा कर दिया जाता है, जहां कई लोग शॉर्ट-टर्म ट्रेंड या लो वैल्यूएशन की ओर भागते हैं और क्वालिटी बिजनेस में हिस्सेदारी ना लेकर लॉन्ग-टर्म लाभों को अनदेखा कर देते हैं।

क्वालिटी इन्वेस्टिंग के जरिए उन कंपनियों पर ध्यान दिया जाता है, जिसका फंडामेंटल्स स्ट्रांग हो, मैनेजमेंट ईमानदार हो और रेजिलिएंट बिजनेस मॉडल हो। ऐसी कंपनियां लगातार हाई रिटर्न ऑन इक्विटी और रिटर्न ऑन इंवेस्टेड कैपिटल, कर्ज का कम बोझ, बेहतर कैश फ्लो और प्रुडेंट कैपिटल एलोकेशन पर ध्यान देती है। इन नंबर्स के अलावा क्वालिटी में ब्रांड की ताकत, ग्राहक वफादारी, नवाचार और प्रतिस्पर्धी लाभ भी शामिल हैं।

इतिहास ने दिखाया है कि क्वालिटी में चूक - जैसे प्रोडक्ट को वापस मंगाना या सेफ्टी फेलियर्स - ग्लोबल ब्रांडों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती है। वहीं, अगर प्रोडक्ट की क्वालिटी अच्छी है तो उससे जुड़ी कंपनियां कस्टमर लॉयल्टी, प्राइसिंग पावर और नियमित आय कमाती हैं। ऐसी कंपनियां आर्थिक तनाव के दौरान आगे बढ़ती रहती हैं। स्ट्रांग बैलेंस शीट और ऑपरेशनल एफिशिएंसी के साथ, ये कंपनियां मुद्रास्फीति, बढ़ती लागत और टाइट क्रेडिट से निपटने के लिए बेहतर ढंग से तैयार रहती हैं।

ग्लोबल अनसर्टेनिटी और स्लो ग्रोथ के बीच, निवेशक क्वालिटी कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्थिरता की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्वालिटी किसी एक क्षेत्र या आकार तक सीमित नहीं है। कंज्यूमर स्टेपल और ड्रग्स आम उदाहरण हैं। वैसे, लार्ज कैप और स्मॉल कैप दोनों में प्राइवेट बैंकिंग, फार्मा, सीमेंट और रिटेल जैसे सेक्टर्स भी मजबूत कैंडिडेट्स हैं ।

दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में क्वालिटी स्टॉक्स वैल्यू और मोमेंटम के मामले में स्ट्रगल कर रहे हैं, इसलिए कई स्ट्रांग बिजनेस अब आकर्षक वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। यह लॉन्ग-टर्म निवेशकों के लिए उचित कीमतों पर क्वालिटी खरीदने का अवसर बनाता है।

70% से अधिक बढ़ा मुनाफा, 50 रुपये के पार पहुंचे शेयर, 1100% से ज्यादा चढ़ चुका है शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईएफसीआई लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को कमजोर बाजार में जबरदस्त तेजी आई है। आईएफसीआई लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 15 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 51.77 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेजी मार्च 2025 तिमाही के शानदार नतीजों के बाद देखने को मिली है। आईएफसीआई लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 1100 पर्सेंट से अधिक उछल चुके हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 91.39 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 35.67 रुपये है।

आईएफसीआई लिमिटेड का मुनाफा चौथी तिमाही में 70.46 पर्सेंट बढ़कर 227.28 करोड़ रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में आईएफसीआई लिमिटेड को 133.33 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। हालांकि, चौथी तिमाही में कंपनी की सेल्स 31.68 पर्सेंट घटकर 413.61 करोड़ रुपये रही है। पिछले साल की चौथी तिमाही में कंपनी की सेल्स 605.42 करोड़ रुपये थी।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सांसदों-विधायकों को बोलने का प्रशिक्षण देगी BJP, सार्वजनिक बयानबाजी के गुर सिखाने का होगा आयोजन

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी अपने नेताओं की विवादास्पद बयानबाजी से हो रही किरकिरी से परेशान है। सांसदों और विधायकों के सार्वजनिक बयानों से सरकार और पार्टी की छवि धूमिल होने के चलते अब उन्हें बोलने का प्रशिक्षण देने की योजना बना रही है।

यह प्रशिक्षण जून 2025 में शुरू हो सकता है। पार्टी संगठन स्तर पर इस दिशा में मंथन चल रहा है। क्क्क्क पहले भी विधायकों को विधानसभा सत्रों और बैठकों में विवादित बयानों से बचने की नसीहत देती रही है, लेकिन हाल के विवादों ने प्रशिक्षण की जरूरत को उजागर किया है।

विवादों ने बढ़ाई पार्टी की मुश्किलें

हाल ही में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने महू में एक सभा में सैन्य अधिकारी सोफिया कुरैशी और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने हिंदुओं को नंगा कर मारा, तो क्क्रू मोदी ने उनकी बहन को भेजकर बदला लिया। इस बयान ने पार्टी को असहज कर दिया।

नेताओं की बयानबाजी से किरकिरी

चिंतामणि मालवीय- विधायक ने सिंहस्थ मेला क्षेत्र में किसानों की जमीन अधिग्रहण पर अपनी ही सरकार की व्यवस्था पर सवाल उठाए।

नरेंद्र शिवाजी पटेल- राज्यमंत्री ने 2024 में बेटे के मारपीट मामले में भोपाल के शाहपुरा थाने में हंगामा किया। हाल ही में ग्वालियर के एक होटल में उनके हंगामे का वीडियो वायरल हुआ।

प्रहलाद पटेल-मंत्री ने एक कार्यक्रम में आवेदन लेकर आने वाली जनता को भिखारी कहकर विवाद खड़ा किया।

नागर सिंह चौहान- वन विभाग छिनने से नाराज मंत्री ने अपनी सरकार और पार्टी को खुली चुनौती दी।

प्रशिक्षण से अनुशासन की उम्मीद मानना है कि प्रशिक्षण से सांसद-विधायक सार्वजनिक मंचों पर संयमित और जिम्मेदार बयानबाजी करेंगे। पार्टी चाहती है कि नेता विपक्ष को घेरें और सरकार की उपलब्धियों को मजबूती से रखें, न कि अपनी ही सरकार पर सवाल उठाएं। इस कदम से पार्टी अपनी छवि को और मजबूत करने की कोशिश में है।

मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा बोले-कांग्रेस और इंटरनेट यूजर्स के खिलाफ कार्रवाई करुंगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में कैबिनेट मंत्री विजय शाह के विवादित बयान के बाद उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का कथित बयान भी विवाद में है। देवड़ा इसे तोड़ मरोड़ कर पेश करना ठहरा रहे हैं, इसके साथ ही कांग्रेस और सोशल मीडिया पर पोस्ट प्रसारित करने वालों की शिकायत की तैयारी कर रहे हैं। जिस बयान पर विवाद है, वो शुक्रवार को जबलपुर में आयोजित सिविल डिफेंस वालेंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिया गया है। ऐसे में जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने जिला प्रशासन का पक्ष रखते हुए कहा है कि कुछ न्यूज चैनलों द्वारा प्रसारित खबर पूर्णतः भ्रामक है। खबर सनसनीखेज बनाने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर जोड़ा गया। उपमुख्यमंत्री द्वारा कहा गया था कि देश की सेना, वो सैनिक उनके चरणों में पूरा देश नतमस्तक है। न्यूज चैनल ने उनके शब्द को जानबूझकर गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया।

जो पूर्णतः असत्य है। जबकि उन्होंने उनके शब्द सैनिकों के लिए उपयोग किया गया है। देवड़ा ने क्या कहा यशस्वी प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे। (कुछ क्षण रुककर) और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक उनके चरणों में नतमस्तक है, उन्होंने जो जवाब दिया है, उनके चरणों में पूरा देश नतमस्तक है।

उसकी जितनी सराहना की जाए जितना कहा जाए, एक बार उनके लिए जोरदार तालियां बजा दीजिए। सोशल मीडिया पर क्या वायरल हुआ पूरा देश और सेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है।प्रियंका वाड्रा ने किया पोस्ट...

कांग्रेस की महासचिव और लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर पोस्ट किया कि भाजपा के नेताओं की ओर से लगातार हमारी सेना का अपमान अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा के लोग सेना को अपमानित कर रहे हैं और भाजपा अपने इन नेताओं पर कार्रवाई करने की जगह उन्हें बचाने में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ऐसा करके हमारी सेना और देशवासियों को क्या संदेश देना चाहती है?

पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित अन्य नेताओं ने भाजपा के दोनों नेताओं को आरोप दोहराकर बर्खास्त करने की मांग की।

निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन के लिए कांग्रेस बनाएगी टीम

भोपाल। विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन नहीं हुआ तो प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव 2027 में होंगे। कांग्रेस ने इसकी तैयारी अभी से प्रारंभ की है। प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन तक का काम देखने के लिए अलग से टीम बनाई जा रही है। इसमें उन नेताओं को रखा जाएगा, जिन्हें चुनाव लड़ाने का अनुभव है। जिला और ब्लॉक कांग्रेस इकाई की प्रत्याशी चयन में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। पार्टी का प्रयास है कि स्थानीय और जातीय समीकरणों को देखते हुए प्रत्याशी चयन का काम एक वर्ष पूर्व पूरा कर लिया जाए ताकि संबंधित को काम करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाए। वर्ष 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस ने लंबे समय बाद बेहतर प्रदर्शन करते हुए पांच नगर निगम में जीत दर्ज की थी। ग्वालियर, मुरैना, रीवा, छिंदवाड़ा और जबलपुर में कांग्रेस के महापौर बने थे। इसी तरह नगर पालिका और नगर परिषद में भी पार्षद बने थे। कालांतर में विभिन्न कारणों से जबलपुर, छिंदवाड़ा और मुरैना महापौर का पार्टी से मोहभंग हुआ और उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली। छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके को लेकर असमंजस आज भी बना हुआ है क्योंकि वह लोकसभा चुनाव के समय भाजपा में शामिल हो गए थे और कुछ दिनों बाद फिर वापसी का दावा किया गया।

रामकृष्ण मिशन के सचिव से 2.53 करोड़ की ठगी में यूपी के गैंग ने विदेश भेजी रकम - दस गिरफ्तार, गैंग ने की क्रिप्टो ट्रेडिंग

ग्वालियर। रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव को डिजिटल अरेस्ट कर 2.53 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में ग्वालियर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक गैंग के दस सदस्यों को पकड़ा है। इन लोगों ने ठगी की रकम में से तीस लाख रुपये की क्रिप्टो ट्रेडिंग की और रकम विदेश भेज दी। ग्वालियर पुलिस की टीम ने बैंक रिकवरी एजेंट बनकर आरोपितों को पकड़ा। बता दें कि ग्वालियर के थाटीपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद को ठगों ने 17 मार्च से 11 अप्रैल के बीच डिजिटल अरेस्ट किया था।नासिक पुलिस का इंस्पेक्टर बनकर ठग ने डराया-धमकाया और आश्रम के खातों से 26 दिनों में दो करोड़ 52 लाख 99 हजार रुपये देशभर के अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए।

पुलिस ने इस मामले में उज्जैन से छह व दिल्ली से चार लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि ठगी की रकम में से तीस लाख रुपये लखनऊ की रुद्राक्ष एंटरप्राइज के खाते में जमा कराए गए थे।

यह कंपनी लखनऊ के अलीगंज स्थित मकान नंबर 532 क/27 पांडेकोला निवासी सचिन पुत्र सत्यनारायण गुप्ता के नाम पर थी। ग्वालियर पुलिस ने जब सचिन को गिरफ्तार किया तो नौ और लोगों के नाम सामने आए।

इसके बाद पुलिस ने शौर्य शुक्ला पुत्र अश्विनी कुमार शुक्ला निवासी 65/69 छितवापुर रोड लालकुंआ लखनऊ, अर्सलान अली पुत्र इरफान अली निवासी मकान नंबर 54 गुटैयाबाग लखीमपुर खीरी, जिला खीरी (उप्र) हाल निवास लाटिस रोज कसाईबाड़ा बड़ी मस्जिद के पास लखनऊ, सुल्तान मंसूरी पुत्र स्वर्गीय सिद्दीक मंसूरी निवासी ई-84 रेलवे कालोनी पुलिस लाइन सीतापुर जिला सीतापुर (उप्र) हालमुकाम पारा काशीनगर कालोनी लखनऊ, शिवांश सैनी पुत्र मुकेश सैनी निवासी मोहल्ला संकटा देवी लखीमपुर खीरी जिला खीरी, हालमुकाम-फ्लैट नंबर 1102, सुमति बिल्डिंग इल्डिगो सिटी, लखनऊ, रवि आनंद साहनी पुत्र आनंद साहनी निवासी 25 भूत बंगला मोगरावाड़ी मोतीवाड़ी रामदेव पीर गली वलसाड गुजरात, हालमुकाम फ्लैट नंबर 1101, सुमति बिल्डिंग इल्डिगो सिटी लखनऊ,

मोहम्मद अदनान खान उर्फ जमन पुत्र मोहम्मद शरीफ खां निवासी बक्सा मार्केट हाथीपुर कोठार लखीमपुर खीरी जिला खीरी, शिवम सिंह उर्फ अनुज पुत्र ओमकार मणि सिंह स्थायी निवासी ग्राम सोहसा पोस्ट पिपराइच थाना पिपराइच जिला गोरखपुर, हालमुकाम ए-28/1 सूरजकुंड कालोनी ए ब्लाक गोरखपुर, विनायक सिंह पुत्र संजीव प्रताप सिंह निवासी ग्राम नेवादा पोस्ट बिजहरा तहसील पट्टी थाना कन्हई हनुमानगंज जिला प्रतापगढ़, हालमुकाम प्रेमबाग कालोनी मटियारी चौराहा चिनहट लखनऊ , हिरतेश कुमार पुत्र राजेश कुमार वाल्मीकि निवासी 6/319 सेक्टर छह विकासनगर लखनऊ को गिरफ्तार किया। आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि करंट खाता एक लाख रुपये में और सेविंग खाता तीस हजार रुपये में किराये पर लेते थे। इसमें ठगी की रकम किराए पर लिए खातों में आती थी, फिर वाट्सएप पर इन्हें वालेट मिलते थे। क्रिप्टो ट्रेडिंग कर इसे हिडन वालेट में ट्रांसफर कर देते थे।

शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन का अधिकारियों पर गंभीर आरोप, कहा- बच्चों का आहार हड़प गए, हाईकोर्ट जाऊंगा

शिवपुरी। शिवपुरी जिले में सत्ताधारी बीजेपी के विधायकों ने स्थानीय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वह विधानसभा से लेकर हाईकोर्ट तक का दरवाजा खटखटाएंगे। इससे पहले पिछोर विधायक प्रीतम लोधी भी पुलिस अधीक्षक पर आरोप लगाकर दिल्ली तक कूच करने की बात कह चुके हैं। प्रेसवार्ता में जैन ने लगाए गंभीर आरोप

शुक्रवार को प्रेसवार्ता में देवेंद्र जैन ने कहा कि क्षेत्रीय सांसद और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ईमानदारी चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवपुरी में भूदान और विक्रय-वर्जित जमीनों की अवैध रजिस्ट्रियां हो रही हैं।

पोषण आहार केंद्र में भी गड़बड़ी-जैन ने पोषण आहार केंद्रों में बच्चों के लिए मिलने वाला आहार हड़पने का सनसनीखेज आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

हाईकोर्ट तक जाएंगे जैन-जैन ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की, तो वह विधानसभा में मुद्दा उठाएंगे और जरूरत पड़ी तो हाईकोर्ट का रुख करेंगे। जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार पर सत्ताधारी विधायकों की यह मुखरता चर्चा का विषय बनी हुई है।

वनों के संरक्षण, संवर्धन, संचालन एवं संधारण के कार्य में वन समितियों की अहम भूमिका

सामुदायिक वन अधिकारों, वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन पर दो दिवसीय संभागीय कार्यशाला प्रारंभ

इंदौर। राज्य शासन के दिशा-निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए इंदौर में आज से सामुदायिक वन अधिकारों, वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन पर दो दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला के पहले दिन अशासकीय सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वहीं दूसरे दिन 16 मई को सुबह 10 बजे से शासकीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें इंदौर एवं उज्जैन संभाग के कलेक्टर्स, वन मंडलाधिकारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग शामिल होंगे।

आज कार्यशाला का शुभारंभ जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव श्री गुलशन बामरा तथा संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की विशेष उपस्थिति में किया गया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए प्रमुख सचिव श्री बामरा ने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के संबंध में भी विस्तार से बताया। उन्होंने राज्य शासन द्वारा वन अधिकार अधिनियम के तहत सामुदायिक अधिकारों को प्रदत्त करने के संबंध में की जा रही कार्रवाई के बारे में भी जानकारी दी।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि अब वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सामुदायिक अधिकारों, विशेषकर वनों के संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सामुदायिक वन अधिकारों में आधारभूत संरचनाएं जैसे सड़क, पुल, अस्पताल, स्कूल एवं धार्मिक स्थल शामिल हैं। वनों के संरक्षण, संवर्धन, संचालन एवं संधारण का कार्य अब वन समितियों के माध्यम से किया जाएगा और उन्हें इस हेतु कानूनी अधिकार भी प्रदान किए गए हैं। श्री सिंह ने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाएगा कि वन समितियों को किन गतिविधियों की अनुमति होगी और किन पर प्रतिबंध रहेगा।

नीट यूजी के परिणाम घोषित करने पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की रोक

इंदौर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट यूजी) के परिणाम घोषित करने पर रोक लगा दी है। इंदौर में परीक्षा वाले दिन हुई भारी वर्षा से उत्पन्न बाधाओं से परीक्षा में अवस्थाओं के दृष्टिगत कोर्ट ने यह आदेश दिया है। कोर्ट ने माना कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) परीक्षार्थियों को परीक्षा के दौरान उचित परिस्थितियां उपलब्ध कराने में असफल रही। कोर्ट ने एनटीए के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा गया है।

मामले में अगली सुनवाई जून के अंतिम सप्ताह में होगी।

तब तक नीट यूजी का परिणाम घोषित नहीं हो सकेगा।

गत चार मई को पूरे देश में नीट यूजी आयोजित हुई थी।

इस परीक्षा के लिए इंदौर में 24 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा के दिन मौसम अचानक बदल गया और जोरदार वर्षा हुई।

शहर में 100 किमी प्रतिघंटे से भी ज्यादा गति से हवा चली।

इस वजह से शहर में बिजली और यातायात व्यवस्था बुरी तरह से ध्वस्त हो गई।

परीक्षा के दौरान बिजली गुल होने से कई केंद्रों में अंधेरा छा गया।

बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने की वजह से परेशानी बढ़ गई।

मई में लगातार बारिश, गर्मी से राहत लेकिन उमस ने बढ़ाई मुश्किल

इंदौर। इंदौर में इस बार मई का महीना आमतौर पर पड़ने वाली भीषण गर्मी की बजाय बदलते मौसम की वजह से चर्चा में है। बुधवार शाम शहर में घने बादल छाए और कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई। भले ही यह बारिश केवल 2 मिमी रही, लेकिन पूरे मई महीने में अब तक कुल 5 इंच बारिश हो चुकी है। इस असामान्य बारिश के कारण लोगों को गर्मी से तात्कालिक राहत तो मिली, लेकिन अब उमस ने फिर से परेशान करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने आने वाले तीन दिनों तक इंदौर और इसके आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी और बारिश की संभावना जताई है।

बुधवार को दिनभर उमस का असर बना रहा। दिन का अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री कम था।

शाम होते-होते मौसम ने करवट ली और कुछ क्षेत्रों में तेज बारिश हुई तो कुछ स्थानों पर हल्की फुहारें पड़ीं। यह सिलसिला करीब दो घंटे तक चला, जिसके बाद मौसम साफ हो गया। गुरुवार सुबह से ही धूप और बादलों की आंख-मिचौली चल रही है, जिससे लोगों को भीषण उमस का सामना करना पड़ रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य पर मिलेगा पुरस्कार

श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और कर्मियों को किया जाएगा राज्य स्तर पर पुरस्कृत

इंदौर। जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार दो श्रेणी में प्रदान किये जायेंगे। इस संबंध में म.प्र. राज्य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया कि एक पुरस्कार जल गंगा संवर्धन अभियान में समग्र रूप से उत्कृष्ट कार्य पर और दूसरा मनरेगा अन्तर्गत खेत-तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने पर दिया जाएगा। अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने पर पुरस्कार प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी में दिया जाएगा। विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को निर्देश पत्र भी जारी कर दिए गए हैं। अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिले के कलेक्टर को क्रमशः 1 लाख 50 हजार रुपये, 1 लाख 25 लाख रुपये और 1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार क्रमशः 1 लाख, 75 हजार और 50 हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाएगी। जबकि, जिले के अमले के लिए क्रमशः 6 लाख, 4 लाख 50 हजार और 3 लाख रुपये की पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाएगी।

जिले के अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरस्कार देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय समिति द्वारा चयन किया जाएगा। इसके साथ ही यदि अभियान के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिला, जनपद, पंचायत में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों का स्थानांतरण हो जाता है तो उन्हें पदस्थापना की कार्य अवधि के समानुपात में पुरस्कार की राशि प्रदान की जाएगी। जिन नवगठित जिलों में जिला पंचायत गठित नहीं है उन जिलों के कलेक्टरों को संयुक्त रूप से उनकी जनपदों के प्रदर्शन के आधार पर समानुपातिक रूप से पुरस्कार दी जाएगी।

शिक्षकों की समस्या के निराकरण के लिये 19 मई से लगेंगे शिविर

शिविरों में वेतन निर्धारण, पेंशन और सेवानिवृत्ति संबंधी प्रकरणों का होगा निराकरण

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश में ग्रीष्मकालीन अवकाश की समाप्ति तक की अवधि में संभाग और जिला स्तर पर समस्याओं के निराकरण के लिये 19 मई से शिविर लगाने का फैसला किया है। शिविर में किये जाने वाले कार्यों के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये हैं।

शिविर में क्रमोन्नति वेतनमान, समयमान वेतनमान, वेतन वृद्धि, सेवा अभिलेखों के अपडेटेशन पर विशेष कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही आगामी 3 वर्षों में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के वेतन निर्धारण का कोष एवं लेखा द्वारा परीक्षण किया जाकर वसूली योग्य प्रकरणों में सेवा से पूर्व वसूली का निर्धारण किया जायेगा। शिविर में पेंशन और अन्य लम्बित स्वतत्वों का निराकरण, अन्य लम्बित अभ्यावेदनों का निराकरण किया जायेगा। जिला और संभागीय कार्यालयों को 30 मई तक समय-सारणी का निर्धारण संबंधित संयुक्त संचालक के मार्गदर्शन में किये जाने के लिये कहा गया है। समय-सारणी की सूचना लोक शिक्षण संचालनालय को दिये जाने के लिये कहा गया है।

जन्मजात विकृति कटे-फटे होंठ एवं तालू जागरूकता सप्ताह

इंदौर। भारत सरकार के निर्देशानुसार 09 मई से 15 मई 2025 तक जन्मजात विकृति कटे-फटे होंठ एवं तालू जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसके तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, इंदौर के निर्देश पर विकासखंड एवं जिला स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाकर जन समुदाय तक कटे-फटे होंठ तालू की पहचान और बच्चे की देखभाल सहित उपचार के संबंध में जन जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मोबाईल हेल्थ टीम द्वारा सामुदायिक एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर इस हेतु आमजन को इस विकृति के बारे में जानकारी दी गई। एवं बच्चों की विशेष स्क्रिनिंग की गई। आमजन से अपील है कि ऐसी विकृति वाले बच्चे आपके संपर्क में आते हैं, तो उन्हें जिला चिकित्सालय परिसर में स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र इंदौर में परामर्श लेने हेतु प्रेरित करें।

मवेशियों से भरे वाहन रोके, बजरंग दल की कार्रवाई से हड़कंप

इंदौर। चंदन नगर क्षेत्र में गुरुवार सुबह हिंदूवादी संगठन बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मवेशियों से भरी तीन पिकअप गाड़ियां और एक आयशर वाहन को रोक लिया। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि इन वाहनों में मवेशियों को अवैध रूप से कटान के लिए ले जाया जा रहा था। इस दौरान कार्यकर्ताओं पर यह भी आरोप लगे हैं कि उन्होंने वाहन चालकों के साथ मारपीट की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और वाहन चालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना धार रोड के निकट उस समय हुई जब बजरंग दल को सूत्रों से सूचना मिली कि कुछ वाहनों में मवेशियों को ले जाया जा रहा है।

सूचना मिलते ही कार्यकर्ताओं ने सक्रिय होकर तीन पिकअप और एक आयशर वाहन को रोका। इसके बाद कथित रूप से चालकों के साथ मारपीट की गई। पुलिस मौके पर समय रहते पहुंची और विवाद को शांत किया। हालांकि पुलिस की मौजूदगी में भी कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। अंततः पुलिस ने सभी वाहनों को अपने कब्जे में लेकर थाने भेज दिया।

घटना के बाद मवेशियों को पुलिस ने नगर निगम के हवाले कर दिया। निगम अधिकारियों ने इन मवेशियों को अपनी सुपुर्दगी में लिया और फिर यशवंत सागर के पास स्थित निगम के पशु गृह में भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सभी मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है और उनकी देखरेख की जा रही है। नगर निगम ने पुलिस की मदद से इस प्रक्रिया को पूरा किया।

अहिल्याश्रम क्रमांक-2 में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर जारी

इंदौर। इंदौर के शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम क्रमांक-2 में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत खेलकूद, लेखन सहित कई तरह की गतिविधियां आयोजित कर छात्राओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि विद्यालय में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स, कहानी-कविता लेखन, लोक नाट्य, रांगोली, चित्रकला एवं विभिन्न खेलों जैसे बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, रस्सीकूद, खो-खो, चेयर रेस सहित सितोलिया का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है-मुख्यमंत्री

उज्जैन । भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के विरूद्ध की गई ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शुक्रवार को शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहीद पार्क से प्रारंभ हुई भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद पार्क स्थित जय स्तम्भ पर शहीदों को श्रध्दांजली अर्पित कर घोड़े पर सवार होकर तिरंगा यात्रा की शुरूआत की ।

उन्होंने इस अवसर पर कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सेना ने पाकिस्तान में दाखिल होकर दुश्मनों से बदला लिया । भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है । ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने साहस और शौर्य के प्रमाण दिए हैं। हमनें एक जुट होकर विश्व को यह संदेश दिया कि दुश्मन कितना ही चालाक क्यों न हो हम अपनी एकता को अक्षुण रखेंगे । राष्ट्रीय एकता सर्वोपरी है इसे यदि शत्रु ने हानि पहुचानें की कोशिश की तो उसे मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी है, यह सम्राट विकमादित्य के पराक्रम की नगरी है । लगभग 2000 हजार साल पहले सम्राट विकमादित्य ने विदेशी आक्रमणकारीयों को पराजित कर देश से खदेड दिया था , आज फिर से हमारी सेना ने वही शौर्य और पराक्रम दिखाया है ।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने राष्ट्र की वेदी पर अपने चिराग न्योछावर करने वाले शहीदों के परिवार जनों को प्रणाम किया । उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे देश कि आन-बान और शान है इसकी मर्यादा का सदैव ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है कि हम सभी भारतीय एक जुट हो कर समय आने पर देश कि रक्षा के लिए सर्वस्व बलिदान कर सकते है ।

इस भव्य तिरंगा यात्रा में शहिदों के परिजन पुर्व सैनिक, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया , प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, पूर्व केंद्रिय मंत्री सत्यनारयण जटिया, शहरकाजी खलीकुर्रहमान, संजय अग्रवाल, रवि सोलंकी, जगदीश पांचाल, मुकेश यादव, अनिल शिंदे, दिनेश जाटवा, कल्याण शिवहरे, सुहास वैद्य, इकबाल सिंह गांधी, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह पुलिस अधीक्षण प्रदीप शर्मा शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों ने भी बढ़-चढ़ कर सहभागिता की।

सेना के मध्यभारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत उज्जैन आए

उज्जैन। सेना के मध्यभारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी. एस. शेखावत परम विशिष्ट सेवा मेडल, अतिविशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल ने उज्जैन में पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार की चिकित्सा सुविधा हेतु दौरा किया।

16 मई को दोपहर 1 बजे उज्जैन में पूर्व सैनिक अंशदाई चिकित्सा योजना के अंतर्गत पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार की चिकित्सा संबंधी सुविधा जानने हेतु दौरे पर आये जनरल शेखावत के साथ ब्रिगेडियर अतुल भाटिया, स्टेशन कमांडर महू, कर्नल मनीष गोयल, एडम कमांडेंट महू भी साथ थे। उज्जैन स्थित ईसीएचएस पोली क्लिनिक के प्रभारी अधिकारी कर्नल प्रदीप सिंह एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टन विष्णु दत्त शर्मा ने आगंतुक सेना के अधिकारियों की अगवानी की।सेना के अधिकारियों द्वारा ग्राम शक्कर वासा में आवंटन हेतु प्रस्तावित भूमि का अवलोकन किया गया। उसके पश्चात महावीर बाग कालोनी, इंदौर रोड़, पर किराए के भवन में संचालित पॉली क्लिनिक का निरीक्षण किया गया। जनरल शेखावत एवं सेना के अधिकारियों ने महाकालेश्वर मंदिर जाकर बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

उज्जैन संभाग पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के पदाधिकारियों ने जनरल शेखावत के साथ सभी सेना के अधिकारियों का संगठन के दुपट्टे से स्वागत किया। संगठन के अध्यक्ष सूबेदार कमल सोनी ने आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की शानदार जीत की बधाई दी। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कुमार मोयल, सचिव रवि प्रताप सिंह भदोरिया, कोषाध्यक्ष जितेंद्र राजपूत, संयुक्त सचिव अनिल कुमार तोमर, सहसचिव सवाई सिंह शेखावत, शैलेंद्र सिंह डोडिया, योगेश कुमार राठौर उपस्थित थे।

उज्जैन शहर तिरंगा यात्रा का स्वागत खान परिवार द्वारा पुष्प वर्षा कर किया गया

उज्जैन। शहर में हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के सफल समापन पर एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का नेतृत्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया, और इसमें उत्तर क्षेत्र के विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा भी शामिल हुए। यात्रा में भाजपा के नेता, विभिन्न धर्मों के लोग, और समाज के सभी वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस अवसर पर पूर्व सैनिक और शहीद सैनिकों के परिजन भी उपस्थित थे। तिरंगा यात्रा के दौरान फ्रीगंज ब्रिज के समीप पत्रकार दारा खान के परिवार ने स्वागत किया और पुष्पवर्षा की। यह आयोजन शहर में हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में हुआ।

आशाओं के खाते का दुरूपयोग, खाते में पैसे डलवाकर अधिकारी वापस ले रहे

उज्जैन। आशा एवं सुपरवाईजर कर्मचारी महासंघ की प्रदेश महामंत्री सुमन आंजना, उज्जैन ने आलोट रतलाम में आशा एवं सुपरवाईजर को आ रही समस्याओं के संबंध में बैठक ली।

यहां आशाओं ने प्रदेश महामंत्री सुमन आंजना को बताया कि अधिकारी आशाओं के खाते में पैसे डलवाकर वापस ले रहें हैं, इसके साथ ही अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की। सुमन पटेल ने मौके पर ही विधायक चिंतामणि मालवीय से फोन पर चर्चा कर आशा, सुपरवाईजरों की समस्याओं से अवगत कराया। विधायक श्री मालवीय ने आश्वस्त किया कि अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र ही आशाओं की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करेंगे। बैठक में प्रदेश महामंत्री द्वारा रतलाम जिला प्रभारी सुरेंश वर्मा को एवं ममता मालवीय को तहसील अध्यक्ष आलोट नियुक्त किया गया। इस दौरान विक्रमसिंह, उज्जैन जिला मंत्री संगीता पंवार सहित बड़ी संख्या में आशा, सुपरवाईजर मौजूद रहे।

भारतीय जैन संगठन ने किया मातृशक्तियों का सम्मान 'ज्ञान गंगा', 'जगत जननी' 'मार्गदर्शिका', 'ध्वजा', 'पल्स ऑफ परिवार' सम्मान से सम्मानित हुई मातृशक्तियां

उज्जैन। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जैन संगठन द्वारा श्री विजय हीरसूरीश्वरजी बड़ा उपाश्रय खाराकुआं में मातृशक्तियों का सम्मान किया गया।

संगठन की शहर अध्यक्ष मनीषा ओरा ने बताया ने कि साध्वी हितदर्शनाश्रीजी मसा एवं साध्वीश्री चारूलता श्रीजी मसा की निश्रा में मातृ शक्ति सम्मान 5 वर्ग में दिया गया। जिसमें शीला प्रमोद जैन को 'ज्ञान गंगा', प्रीति तैलंग 'जगत जननी' सुमीना लिगा 'मार्गदर्शिका', स्नेहलता सोगानी 'ध्वजा', वर्षा चत्तर को 'पल्स ऑफ परिवार' सम्मान से सम्मानित किया। सम्मान समारोह में जैन संगठना की राज्य अध्यक्ष साशा जैन, संगठना सदस्य परिधि दाता, खुशबू जैन, मनीषा सुराणा आदि भी उपस्थित रहीं। संचालन अंजू सुराना ने किया एवं आभार आभा जैन ने माना।

मनीषा ओरा ने मातृशक्तियों को 5 वर्ग में दिये सम्मान के बारे में बताते हुए कहा कि 'ज्ञान गंगा' अर्थात् वह जो सर्वत्र ज्ञान का प्रसार करती है अपने परिवार और समुदाय को अपनी बुद्धि और मार्गदर्शन से आलोकित करती है। 'जगत जननी' वह जो सभी की मां है जो अपने बच्चों के अलावा समुदाय के अन्य लोगों के लिए भी अपना मातृ प्रेम और देखभाल प्रदान करती है। 'मार्गदर्शिका' वह जिसने कई पीढ़ियो का सफलता पूर्वक पालन पोषण और मार्गदर्शन किया है तथा अपने विस्तारित परिवार को अटूट समर्थन और ज्ञान प्रदान किया है। 'ध्वजा', वह जो अपने कार्यों उपलब्धियां और अपने परिवार की वृद्धि और खुशी के प्रति समर्पण के माध्यम से दूसरों को प्रेरित करती है। 'पल्स ऑफ परिवार' वह जो लगातार दयालुता सहानुभूति और देखभाल का प्रदर्शन करती है जिससे उनके परिवार की भावनात्मक और शारीरिक भलाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इन्हीं पर आधारित सम्मान जैन संगठना द्वारा प्रदान किये गये।

अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापे, इसे नियंत्रित करें लंबे समय तक जीवित रहें

उज्जैन। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूकता के लिए 17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस घोषित किया है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस 2025 का विषय है अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापे, इसे नियंत्रित करें लंबे समय तक जीवित रहें।

डॉ जितेंद्र जैन ने बताया कि वर्तमान में धूम्रपान, वसा युक्त पदार्थों का सेवन ,मोटापा, शराब का सेवन ,अत्यधिक मानसिक परिश्रम, शारीरिक परिश्रम का न करना वृद्धावस्था ,मानसिक तनाव जैसे चिंता व्याकुलता अनुवांशिकता के कारण भारत के शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च रक्तचाप के रोगी लगातार बढ़ते जा रहे हैं।यदि सिर के पीछे और गर्दन में दर्द हो, थोड़े से परिश्रम से ही थकावट लगे, नींद ना आना चक्कर आना ,सीने में दर्द की समस्या ,आंखों से देखने में परिवर्तन होना दिल का जोर जोर से धड़कना जैसे लक्षण देखें तब तत्काल अपने नजदीकी चिकित्सक को दिखाएं।

यदि व्यक्ति का सिस्टोलिक रक्तचाप 140mm of hg से अधिक है और डायस्टोलिक रक्तचाप 90 द्वद्व श्द्ध द्धद्द (युवा अवस्था में 84 द्वद्व श्द्ध द्धद्द से अधिक हो) तब उच्च रक्तचाप से ग्रसित मानना चाहिए।

डॉ प्रकाश जोशी शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय ने अवगत कराया कि प्रत्येक मोटे व्यक्ति के लिए तथा मधुमेह रोगी के लिए अपना ब्लड प्रेशर नियमित रूप से जांच करवाना चाहिए। उच्च रक्तचाप रोगी

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com